

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

An appeal with folded hands in
Limbic language

Sulika Kharga Bahadur Limbu
of Panchthar Pauraha
East Nepal

1966

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

gentlemen

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

The records of
the administration
of 32 generations
of great king of
Khat oligarchy

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Why we have not
reached? Why they
have left?
Let us open our
eyes and see
consider

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Why we have
left to leave
our legacy
and sacrifice!

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Because we have
asked our men
to prepare drink
out of rice.

३० - कुंवे मे मे ॥
 ह मी नो मे मे ॥
 दे १०० नो मे मे ॥
 मे मे मे मे ॥
 ह मी नो मे मे ॥
 न २०० नो मे मे ॥

By drinking and
 quarrelly we have
 left our lands.

३१ - मे मे मे मे ॥
 न १०० नो मे मे ॥
 न २०० नो मे मे ॥
 न ३०० नो मे मे ॥

Now we should
 be careful with
 our home property
 and go away.

३२ - मे मे मे मे ॥
 न १०० नो मे मे ॥
 न २०० नो मे मे ॥
 न ३०० नो मे मे ॥

Now we should
 give up the habit
 of drinking and
 selling daughter
 and son.

३३ - मे मे मे मे ॥
 न १०० नो मे मे ॥
 न २०० नो मे मे ॥
 न ३०० नो मे मे ॥

We should get up
 by learning our
 books and scriptures
 otherwise we shall
 be very much
 distressed.

३४ - मे मे मे मे ॥
 न १०० नो मे मे ॥
 न २०० नो मे मे ॥
 न ३०० नो मे मे ॥

One should not
 keep them so
 much. Please do not get
 angry as I am
 requesting you
 with folded hands.